मै नहीं माखन खायो
मैया मोरी मै नहीं माखन खायो

भोर भयो गैयन के पाछे मधुबन मोहि पठायो
चार प्रहर बन्शी बट भटक्यो सान्झ पड़े मै घर आयो

मै बालक बहियन को छोटो, छीको किस बिधि पायो
ग्वाल बाल सब बैर पड़े हैं, बरबस मुख लपटायो

ये ले अपनी लकुटी कम्बलिया, बहुत ही नाच नचायो
सुरदास तब हन्सी जसोदा, ले उर कन्थ लगायो

- सुरदास